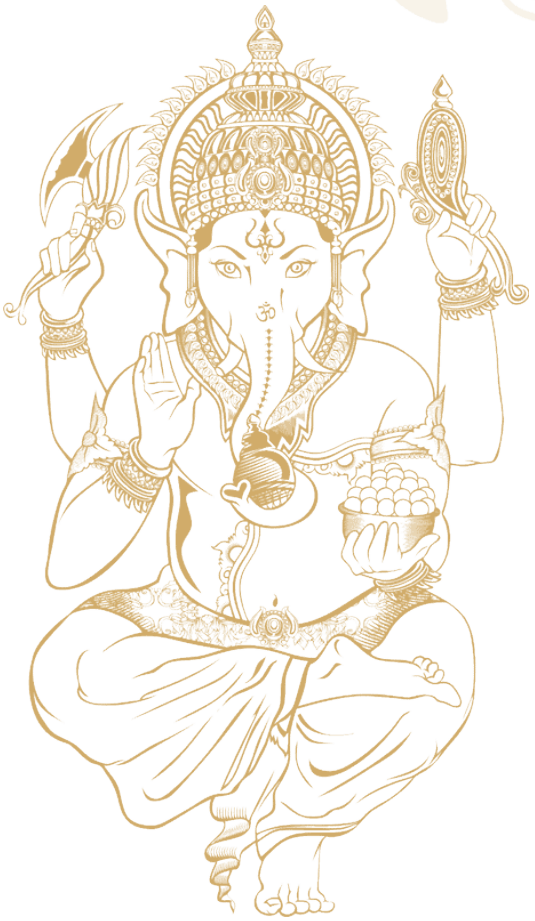

27 Feb 2026

12:17 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121080502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/02/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:17:00 घंटे**
इष्ट	13:40:39 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:55:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:44 घंटे
साम्पातिक काल	22:24:21 घंटे
सूर्योदय	06:48:44 घंटे
सूर्यास्त	18:19:24 घंटे
दिनमान	11:30:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	14:27:26 कुम्भ
लग्न के अंश	26:10:49 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केवल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	26:10:49	347:57:04	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	14:27:26	01:00:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	20:51:52	14:06:01	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	03:09:58	00:47:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	28:15:34	00:09:45	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:05:34	00:02:19	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	26:50:55	01:14:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	07:17:44	00:07:06	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:27	00:00:08	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:27	00:00:08	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:28:19	00:01:13	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:45:29	00:02:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:15:43	00:01:39	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	09:59:04	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

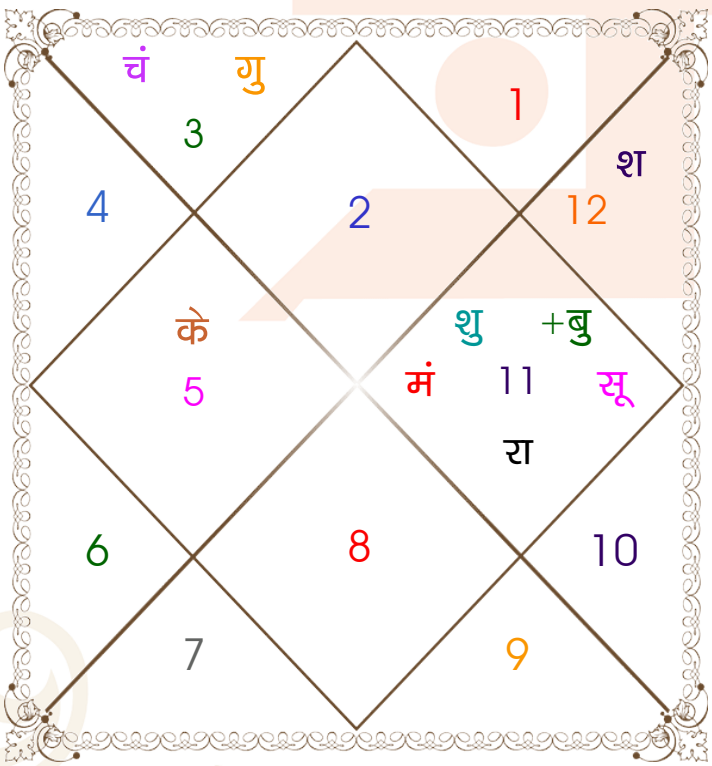

चन्द्र कुंडली

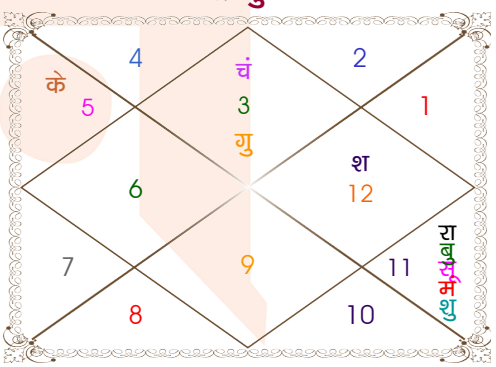

नवमांश कुंडली

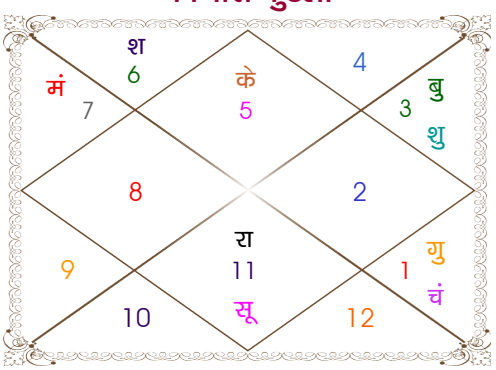

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 11 मास 16 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/02/2026		13/02/2041		14/02/2060		13/02/2077		14/02/2084	
13/02/2041		14/02/2060		13/02/2077		14/02/2084		15/02/2104	
गुरु	03/04/2027	शनि	17/02/2044	बुध	13/07/2062	केतु	12/07/2077	शुक्र	15/06/2087
शनि	15/10/2029	बुध	27/10/2046	केतु	10/07/2063	शुक्र	11/09/2078	सूर्य	15/06/2088
बुध	21/01/2032	केतु	06/12/2047	शुक्र	10/05/2066	सूर्य	17/01/2079	चंद्र	13/02/2090
केतु	26/12/2032	शुक्र	05/02/2051	सूर्य	16/03/2067	चंद्र	18/08/2079	मंगल	16/04/2091
शुक्र	27/08/2035	सूर्य	18/01/2052	चंद्र	15/08/2068	मंगल	14/01/2080	राहु	15/04/2094
सूर्य	15/06/2036	चंद्र	18/08/2053	मंगल	12/08/2069	राहु	01/02/2081	गुरु	14/12/2096
चंद्र	15/10/2037	मंगल	27/09/2054	राहु	29/02/2072	गुरु	08/01/2082	शनि	14/02/2100
मंगल	21/09/2038	राहु	03/08/2057	गुरु	06/06/2074	शनि	17/02/2083	बुध	16/12/2102
राहु	13/02/2041	गुरु	14/02/2060	शनि	13/02/2077	बुध	14/02/2084	केतु	15/02/2104

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/02/2104		14/02/2110		15/02/2120		15/02/2127		14/02/2145	
14/02/2110		15/02/2120		15/02/2127		14/02/2145		00/00/0000	
सूर्य	03/06/2104	चंद्र	16/12/2110	मंगल	13/07/2120	राहु	28/10/2129	गुरु	28/02/2146
चंद्र	03/12/2104	मंगल	17/07/2111	राहु	01/08/2121	गुरु	22/03/2132		00/00/0000
मंगल	10/04/2105	राहु	15/01/2113	गुरु	07/07/2122	शनि	27/01/2135		00/00/0000
राहु	05/03/2106	गुरु	17/05/2114	शनि	16/08/2123	बुध	16/08/2137		00/00/0000
गुरु	22/12/2106	शनि	16/12/2115	बुध	12/08/2124	केतु	03/09/2138		00/00/0000
शनि	04/12/2107	बुध	16/05/2117	केतु	09/01/2125	शुक्र	03/09/2141		00/00/0000
बुध	09/10/2108	केतु	16/12/2117	शुक्र	11/03/2126	सूर्य	29/07/2142		00/00/0000
केतु	14/02/2109	शुक्र	16/08/2119	सूर्य	17/07/2126	चंद्र	28/01/2144		00/00/0000
शुक्र	14/02/2110	सूर्य	15/02/2120	चंद्र	15/02/2127	मंगल	14/02/2145		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 14 वर्ष 11 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।